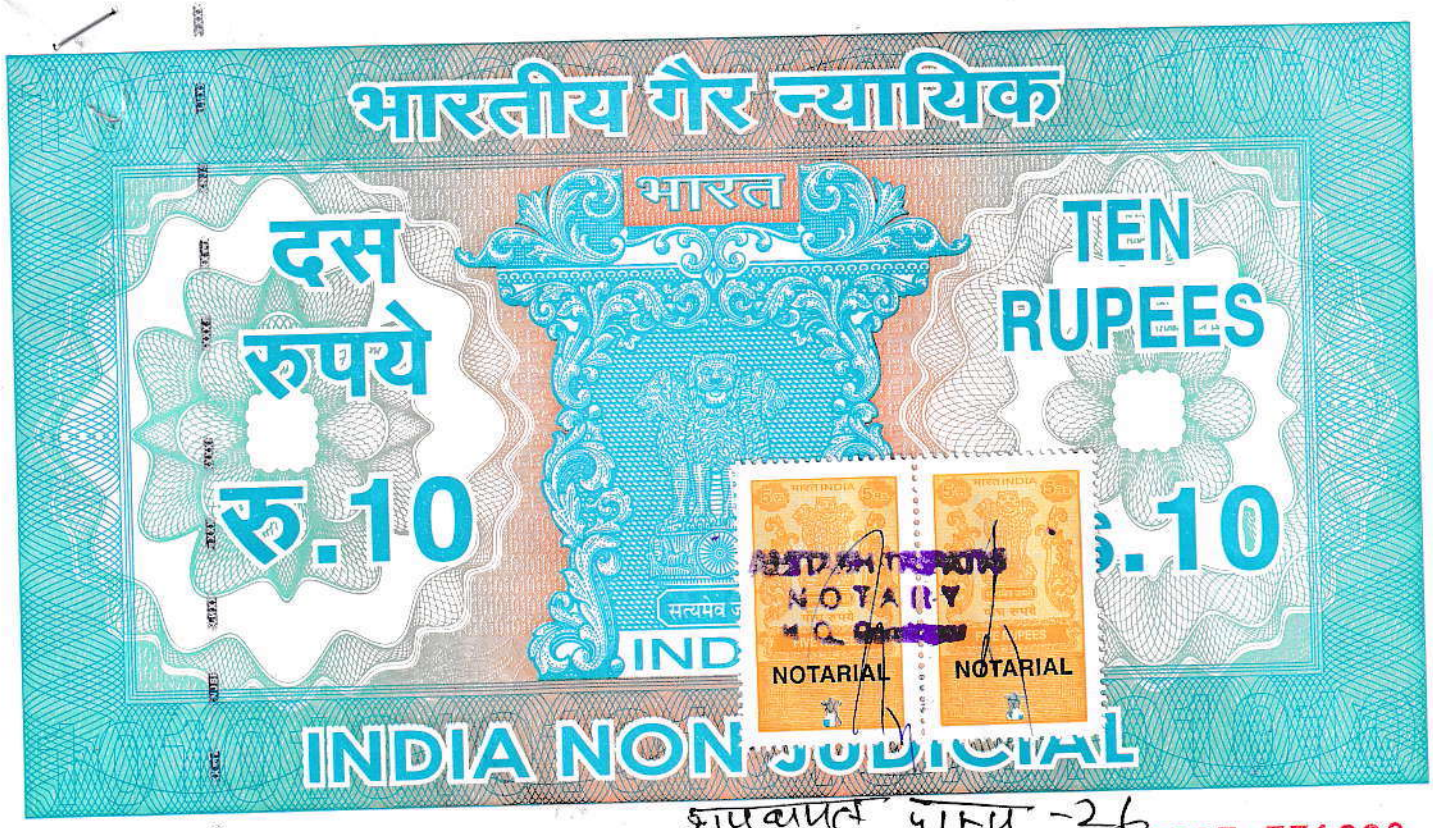

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये

रु.10

TEN RUPEES

रु.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

NOTARIAL

NOTARIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

शपथपत्र प्रारूप -26

60AE 771098

समक्ष
निर्वाचन अधिकारी:
गोरखपुर फैजाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन उ०प्र०

शपथकर्ता मैं प्रत्याशी मनोज कुमार यादव पुत्र स्व० प्रीत यादव निवासी ग्राम शिवपुर करमैनी पो० गुलरिहा तह० कैम्पियरगंज जिला गोरखपुर सच्चे और अहै: शपथकर्ता सशपथ निम्न बयान करता है:-

1. यह कि शपथपत्र में जो शपथकर्ता का नाम, पिता का नाम व पता सम्पूर्ण सत्य व सही है।

2. यह कि शपथकर्ता गोरखपुर फैजाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन उ०प्र० 2023 में अभ्यर्थी है।

3. यह कि प्रारूप 26 (नियम 4 क) नीचे संलग्न है।

4. यह कि प्रारूप 26 में दी गयी जानकारी शपथकर्ता के जानकारी में पूर्णतः सत्य व सही है कुछ भी गलत बयानी नहीं है।

ईश्वर मेरी मदद करे।

शपथकर्ता
मनोज कुमार यादव

स्थान-
गोरखपुर-

NOTARY
AMITABH TRIPATHI
H.Q. GORAKHPUR
R.No.-37
GOVT. OF UTTAR PRADESH

AMITABH TRIPATHI
NOTARY
H.Q. Gorakhpur
1/11/23

१० दिनांक १२-१-२०२३ [illegible] मनोज कुमार यादव [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मनोज कुमार यादव

Sanjai Kumar Singh
Advocate
12/01/23

कृपया यहां अपना पासपोर्ट साइज का नवीनतम फोटो चस्पा करें

प्ररूप 26

(नियम 4क देखिए)

गोरखपुर फैजाबाद खण्ड स्नातक उ०प्र० निर्वाचन–क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम) उ०प्र० ....(सदन का नाम) निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

(भाग–क)

मैं, मनोज कुमार यादव **पुत्र/पुत्री/पत्नी इन्द्रजीत यादव आयु 38 वर्ष,जो शिवपुर करमहवा ... (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ, और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ।

(1) मैं एक स्वतन्त्र अभ्यर्थी (**राजनैतिक दल का नाम) दवारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/एक स्वतन्त्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।
(**जो लागू न हो उसे काट दें।)

(2) मेरा नाम .... (निर्वाचन–क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं. .... के कम सं. .... पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा/मेरे 8115882838 संपर्क दूरभाष संख्या/संख्याएं है/हैं और .... मेरा ईमेल पता (यदि कोई हो) है तथा मेरा/मेरे सोशल मीडिया खाता/खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित है/हैं।
(i) ....
(ii) ....
(iii) ....

(4) स्थाई खाता संख्या (पैन) और आयकर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति:

क्र.सं.	नाम	पीएएन (स्थायी खाता संख्या)	वह वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है	पिछले पांच वित्तीय वर्षों (31 मार्च को) के लिए आय–कर विवरणी में दर्शित कुल आय (रूपए में)
1.	स्वयं	SBI-केम्पो 11780348480	नहीं	(i) (ii) (iii) (iv) (v)
2.	पति या पत्नी	नहीं	नहीं	(i) (ii) (iii) (iv) (v)
3.	हिंदू अविभक्त कुटुंब (यदि अभ्यर्थी कर्ता या सहदायिक है)	नहीं	नहीं	(i) (ii) (iii) (iv) (v)
4.	आश्रित–1	नहीं	नहीं	(i) (ii) (iii) (iv) (v)
5.	आश्रित–2	नहीं	नहीं	(i) (ii) (iii) (iv) (v)
6.	आश्रित–3	नहीं	नहीं	(i) (ii) (iii) (iv) (v)

NOTARY AMITABH TRIPATHI GOVT. OF UTTAR PRADESH

क्रमशः 2

मनोज कुमार यादव

टिप्पण: स्थायी खाता संख्या (पैन) धारक के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करना आज्ञापक होगा और कोई स्थायी खाता संख्या (पैन)न होने की दशा में यह स्पष्ट रूप से कथन करना चाहिए कि "कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) आवंटित नहीं हुआ है"।

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे विरूद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।
(यदि अभ्यर्थी के विरूद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii)के सामने "लागू नहीं" होता है लिखे) लागू नहीं।

या

(ii) मेरे विरूद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामले लंबित है। लागू नहीं।
(यदि अभ्यर्थी के विरूद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों का ब्यौरे दें)

सारणी

(क)	संबद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं.	लागू नहीं।
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला सं.	लागू नहीं।
(ग)	अंतर्वलित संवद्ध अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की सं. दें, अर्थात् भारतीय दंड सहिता, आदि की धारा ....)	लागू नहीं।
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	लागू नहीं
(ड़)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं (हां या नहीं का उल्लेख करें)	लागू नहीं।
(च)	यदि उपर्युक्त मद (ड़) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें, जिसको आरोप विरचित किए गए थे।	लागू नहीं
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरूद्ध कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	लागू नहीं।

NOTARY AMITABH TRIPATHI ... R.No.-37 (07/05) GOVT. OF UTTAR PRADESH

(6) दोषसिद्धि के मामले,–

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोषसिद्ध नहीं किया गया है।
(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii)के सामने **लागू नहीं होता है** लिखें)

या

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोषसिद्ध किया गया है।
(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें)

AMITABH TRIPATHI NOTARY

क्रमशः 3

सारणी

(क)	मामला संख्यांक	लागू नहीं
(ख)	न्यायालय का नाम	लागू नहीं
(ग)	अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की सं. दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा ....)	लागू नहीं
(घ)	अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिनके लिए दोषसिद्ध किया गया है	लागू नहीं
(ड़)	दोषसिद्ध के आदेशो की तारीखें	लागू नहीं
(च)	अधिरोपित दंड	लागू नहीं
(छ)	क्या दोषसिद्ध के आदेश के विरूद्ध कोई अपील फाईल की गई है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	लागू नहीं
(ज)	यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है तो अपील के ब्यौरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें।	लागू नहीं

(6क) मैंने, ऊपर पैरा (5) और पैरा (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरूद्ध सभी लंबित आपराधिक मामलों की ओर दोषसिद्धि के सभी मामलों के बारे मे अपने राजनीतिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है।

[ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हे यह मद लागू नहीं होती है, उपरोक्त पैरा 5 (i) और पैरा 6 (i) में की प्रविष्टियों को देखते हुए, स्पष्ट रूप से लागू नहीं होता है, लिखना चाहिए]

टिप्पणः

1. ब्यौरे स्परस्ट रूप से और सुपाठ्य रूप से बड़े अक्षरों में प्रविष्ट किये जाने चाहिए।
2. प्रत्येक मद के सामने विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रूप से दिए जाए।
3. ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात् नवीनतम मामलों को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।
4. यदि अपेक्षित हो तो पृथक शीट जोड़ी जा सकती है।
5. अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनाएं देने का उत्तरदायी होगा।''

(7) यह है कि मैं, अपनी पत्नी/पति और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) का भी ब्यौरे नीचे देता हूँ:

क. **जंगम आस्तियों के ब्यौरे**

टिप्पण 1— संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्भित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2— जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3—सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंध पत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टोंक एक्सचेंजो में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4—''आश्रित'' से अभ्यर्थी के माता—पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है (हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं है और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।

टिप्पण 5— रकम सहित ब्योरा प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथमतया से दिये जाने हैं।

टिप्पण 6— ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पष्टीकरण इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए '' अपतट आस्तियों'' पद से विदेशी बैंको और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैः

क्र. सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	हाथ में नकदी	50,000/-	5000/-	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ii)	बैंक खातों मे जमा के ब्यौरे, (एफडीआर जमा, आवधिक जमा, और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी है), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियो और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	1,00,000/- [illegible]	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(iii)	कंपनियों / पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबैचरों / शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	X	X	X	X	X	X
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	X	X	X	X	X	X
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण / अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	X	X	X	X	X	X
(vi)	मोटरयान वाहन / वायुयान / याच / पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष तथा रकम)	X	X	X	X	X	X
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुऐं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	20,000/-	आभूषण 40,000 20,000	X	X	X	X
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों / हित का मूल्य	X	X	X	X	X	X
(ix)	सकल कुल मूल्य	X	X	X	X	X	X

क्रमशः 5

ख. **स्थावर आस्तियों के ब्यौरेः–**

टिप्पण 1– संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 2– प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेन्ट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पण 3– ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनके हित सम्मलित होना चाहिए।

क्र.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	**कृषि भूमि की अवस्थिति** (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)						
	क्षेत्र (एकड में कुल माप)						
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)						
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख						
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)						
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान						
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य						
(ii)	**गैर कृषि भूमिः** अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)						
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)						
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख						
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)						
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान						
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य						

क्रमशः 6

(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित)– अवस्थिति (अवस्थितियां)– सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)						
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हा या नहीं)						
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख						
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)						
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संम्पति पर कोई विनिधान						
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य						
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेन्ट सहित –अवस्थिति(अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)						
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)						
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हा या नहीं)						
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख						
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)						
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान						
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य						
(v)	अन्य (जैसे कि सम्पत्ति में हित)						
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल वर्तमान बाजार मूल्य						

क्रमशः 7

(8) **मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/देय के ब्यौरे नीचे देता हूँ:–**
(टिप्पणः कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्यौरों का अलग–अलग विवरण दें)

क्र.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति						
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या देय राशि नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति						
	कोई अन्य दायित्व						
	दायित्वों का कुल योग						
(ii)	सरकारी शोध्य सरकारी आवास से संबंधित विभागो को शोध्य	क. क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले दस वर्ष के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में हैं? ख. यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोषणा प्रस्तुत करें, अर्थातः– (i) सरकारी आवास का पताः– .... (ii) उपरोक्त सरकारी आवास के संबंध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई शोध्य संदेय नहीं हैः– (क) भाटक (ख) विद्युत प्रभार (ग) जल प्रभार, और (घ) ..... (तारीख) को टेलीफोन प्रभार [तारीख उस मास से, जिसमें निर्वाचन अधिसूचित किया जाता है, पूर्व तीसरे मास की अंतिम तारीख या उसके पश्चात् की कोई तारीख होनी चाहिए] टिप्पण– उपरोक्त सरकारी आवास के लिए भाटक, विद्युत प्रभार, जल प्रभार और टेलीफोन प्रभार की बाबत् संबंधित अभिकरणों का "बेबाकी प्रमाणपत्र" प्रस्तुत किया जाना चाहिए।				हां/नहीं (कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का निशान लगाएं)

NOTARY AMITABH TRIPATHI GOVT. OF UTTAR PRADESH

NOTARY

कमशः 8

		स्वयं	पति / पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(iii)	सरकारी परिवहन से संबंधित विभाग को शोध्य (जिसके अंतर्गत वायुयान और हेलीकॉप्टर भी हैं)						
(iv)	आयकर शोध्य						
(v)	जीएसटी शोध्य						
(vi)	नगरपालिका / संपत्ति पर शोध्य						
(vii)	कोई अन्य शोध्य						
(viii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग						
(ix)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त हैं, यदि ऐसा है तो उसमें अंतर्वलित रकम का और प्राधिकारी का, जिसके समक्ष यह लंबित है, उल्लेख करें।"]						

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :
(क) स्वयं ....
(ख) पति या पत्नी ....

(9क) आय के स्रोतों के ब्यौरो–
(क) स्वयं ....
(ख) पति या पत्नी ....
(ग) आश्रितों के आय के स्रोत, यदि कोई हो ....

(9ख) समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाए–
(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे ....
(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे ....
(ग) आश्रितों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे ....
(घ) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित हितबद्ध है, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे ....
(ङ) भागीदारी फर्मो द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित भागीदार हैं ....
(च) प्राइवेट कम्पनियों द्वारा की गई सविंदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रितों का हिस्सा है ....]

(10) **मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार हैं:–**

कला स्नातक व विधि स्नातक

(प्रमाणपत्र / डिप्लोमा / डिग्री पाठयक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय / विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय / महाविद्यालय / विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्योरा दें।)

कला स्नातक- [illegible] वि० वि० [illegible]
विधि स्नातक- डा राममनोहर लोहिया अवध वि० वि० [illegible]

कमशः 9

भाग – ख

(11) भाग –(क) के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरों का सार

1.	अभ्यर्थी का नाम			श्री/श्रीमती/कु. मनोज कुमार यादव				
2.	डाक का पूरा पता			ग्रा० रकुलरिहा				
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य			गो० खं० स्नातक				
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसमें अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखें)			निर्दलीय				
5.	लंबित आपराधिक मामलों की कुल संख्या			शून्य				
6.	ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें दोषसिद्ध ठहराया गया है"।			शून्य				
7.		स्थायी लेखा सं. (पैन)		वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है			कुल दर्शित आय	
	(क) अभ्यर्थी	/		/			/	
	(ख) पति या पत्नी	/		/			/	
	(ग) हिंदू अविभक्त कुटुंब	/		/			/	
	(घ) आश्रित	/		/			/	
8.	आस्तियों और दायित्वों (अपतट आस्तियों सहित) के रूपयों में ब्यौरे							
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3	
क.	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	/	/	/	/	/	/	

ख.		स्थावर आस्तियां						
	i.	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	/	/	/	/	/	/
	ii.	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	/	/	/	/	/	/
	iii.	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमतः– (क)स्वार्जित आस्तियों (कुल मूल्य) (ख)विरासती आस्तियों (कुल मूल्य)	/	/	/	/	/	/
9.		दायित्व						
	i	सरकारी शोध्य (कुल)	/	/	/	/	/	/
	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	/	/	/	/	/	/
10.		ऐसें दायित्व जो विवादाधीन हैं।						
	i	सरकारी शोध्य (कुल)	/	/	/	/	/	/
	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	/	/	/	/	/	/

क्रमशः 10

मनोज कुमार यादव

11.		उच्चतम शैक्षिक अर्हता: कला व विधि स्नातक BA - 2005 LL.B - 2010 (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठयक्रम के पूर्ण रूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापित और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु

मेरे सवोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषित करता हूँ कि:–

(क) मेरें विरूद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और मद 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लम्बित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लम्बित मामला नही है।

(ख) पूर्वोक्त भाग क की मद 7 और मद 8 तथा भाग ख के मद 8, मद 9 और मद 10 मे उल्लिखित से भिन्न मेरी, मेरे पति/मेरी पत्नी या मेरे आश्रितों की कोई भी आस्ति या दायित्व नही है।

आज तारीख 12/01/23 को सत्यापित किया गया ।

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

टिप्पण: 1. शपथपत्र, नामाकंन फाइल करने के अंतिम दिन को अपरान्ह 3.00 बजे तक फाइल किया जाना जाहिए।

टिप्पण: 2. शपथपत्र में, शपथ कमिश्नर के समक्ष या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण: 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तभं खाली न छोड़े, यदि किसी मद के सम्बन्ध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथा स्थीत "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण: 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्य रूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण: 5. शपथ पत्र का प्रत्येक पृष्ठ अभिसाक्षी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शपथ पत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर ऐसे नोटरी या शपथ आयुक्त या मजिस्ट्रेट जिसके समक्ष शपथ पत्र सत्यापित किया जाता है, की स्टांप होनी चाहिए।]

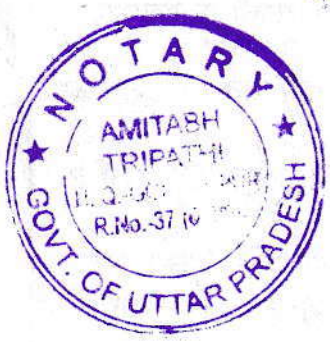

NOTARY
AMITABH TRIPATHI
R.No.-37
GOVT. OF UTTAR PRADESH

S. No ...... (41) 12/1/23
Solemnly Affirmed before me on ......
Shree ...... Manoj Kumar ......
The deponent who is identified by
Shri. ...... S.K. Srivastava ......
I have satified my self by examining
the deponer that he/she understand
the contents of this affidavit which has
been read over and Explained by me

12/1/23

AMITABH TRIPATHI
NOTARY
H. Q. Gorakhpur